



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 649]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 30, 2007/ज्येष्ठ 9, 1929

No. 649]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 30, 2007/JYAISTHA 9, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2007

(आय-कर)

का. आ. 850(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) और उप-खंड (v) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (छठवाँ संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) ये 1 जून, 2007 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,

(i) नियम 2ग के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

‘धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) और उप-खंड (v) के अधीन अनुमोदन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

2ग. (1) धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) और उप-खंड (v) के अधीन विहित प्राधिकारी मुख्य आयुक्त या महानिदेशक होगा जिसको उप-नियम (2) में उपबंध के अनुसार आवेदन किया जाएगा।

(2) किसी निधि, न्यास या संस्था द्वारा धारा 10 के खंड

(23ग) के उप-खंड (iv) और उप-खंड (v) के अधीन प्रस्तुत किया जाने वाला आवेदन प्ररूप सं. 56 में होगा।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए “मुख्य आयुक्त या महानिदेशक” से ऐसा मुख्य आयुक्त या महानिदेशक अभिप्रेत है, जिसे केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, किसी निधि या न्यास या संस्था के संबंध में धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) या उप-खंड (v) के प्रयोजनों के लिए विहित प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करे।

(ii) आय-कर नियम, 1962 के परिशिष्ट II में प्ररूप संख्या 56 के टिप्पण में,—

(क) मद सं. 2 में, “आय-कर आयुक्त की मारफत आय-कर महानिदेशक (छूट)” शब्दों के स्थान पर “मुख्य आयुक्त या महानिदेशक जिसे केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर आयुक्त या आय-कर निदेशक (छूट) के माध्यम से धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (vi) और उप-खंड (v) के प्रयोजनों के लिए विहित प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करें” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ;

(ख) मद सं. 4 में “आय-कर महानिदेशक (छूट) या आय-कर महानिदेशक (छूट) द्वारा प्राधिकृत कोई प्राधिकारी” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर “मुख्य आयुक्त या महानिदेशक या मुख्य आयुक्त या महानिदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

[अधिसूचना सं. 194/2007/फा. सं. 153/41/2007—टीपीएल]

वंदना रामचंद्रन, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम, भारत में अधिसूचना सं. का.आ. 969 तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन आय-कर (चौथा संशोधन) नियम, 2007, अधिसूचना सं. का. आ. 762(अ) तारीख 14-05-2007 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th May, 2007

(Income-Tax)

S.O. 850(E).—In exercise of the powers conferred by Section 295 read with sub-clauses (iv) and (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (6th Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force from the 1st day of June, 2007.

2. In the Income-tax Rules, 1962,

(i) for rule 2C, the following rule shall be substituted, namely:—

‘Guidelines for approval under sub-clauses (iv) and (v) of clause (23C) of Section 10

2C. (1) The prescribed authority under sub-clauses (iv) and (v) of clause (23C) of Section 10 shall be the Chief Commissioner or Director General, to whom the application shall be made as provided in sub-rule (2).

(2) The application to be furnished under sub-clauses (iv) and (v) of clause (23C) of Section 10 by a fund, trust or institution shall be in Form No. 56.

Explanation.—For the purposes of this rule, “Chief Commissioner or Director General” means the Chief Commissioner or Director General whom the Central Board of Direct Taxes may, authorise to act as prescribed authority for the purposes of sub-clause (iv) or sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 in relation to any fund or trust or institution.”;

(ii) in Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, in Form No. 56, in the Notes,—

(a) in item number 2, for the words and brackets “Director General Income-tax (Exemptions) through the Commissioner of Income-tax”, the words, brackets, figures and letters “Chief Commissioner or Director General whom the Central Board of Direct Taxes may authorise to act as prescribed authority for the purposes of sub-clause (iv) or sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10, through the Commissioner of Income-tax or Director of Income-tax (Exemptions)” shall be substituted;

(b) in item number 4, for the words and brackets “Director General Income-tax (Exemptions) or any authority authorised by the Director General Income-tax (Exemptions)”, the words “Chief Commissioner or Director General or any authority authorised by the Chief Commissioner or Director General” shall be substituted.

[Notification No. 194/2007/F. No. 153/41/2007-TPL]

VANDANA RAMACHANDRAN, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number S.O. 969 dated the 26th March, 1962 and was last amended by the Income-tax (4th Amendment) Rules, 2007 vide notification No. S.O. 762(E) dated 14-5-2007.